जपो जी राम जपो

जीवन में वो पल ना आएं, इस जिव्हा पर हो ना राम,
राम राम जपते ही निकले, इस तन में जो दिए हैं प्राण,
इस तन में जो दिए हैं प्राण,
जपो जी राम जपो, सुबहो और शाम जपो,
राम जी ओ राम जी, साँचा तेरा नाम जी,
सब के दुःख दूर करे तेरा एक नाम जी,
जपो जी राम जपो, सुबह और शाम जपो.....

नो अक्षर का ये नाम तन मन शीतल करे,
निश दिन जो राम जपे, भव सागर वो तरे,
राम नाम चप्पू लगा के केवट की नैया तरी,
पार लगावे तुझको जय रघु नन्द हरी,
जपो जी राम जपो, सुबह और शाम जपो,
जपो जी राम जपो, सुबह और शाम जपो.....

अवगुणी हो या गुणी राम सब के प्यारे,
दया के सागर दुखियोँ की सहारी,
अर्पण कर राम नाथ डोर तुझको तारी,
राम किरपा से तर गए जो पत्थर जो भारी,
जपो जी राम जपो, सुबह और शाम जपो,
जपो जी राम जपो, सुबह और शाम जपो.....

तीनों लोकों में मेरे राम का बसेरा,
मन चित से श्री राम भजो ना कर मेरा तेरा,
कनिका भी तर गई ले नाम का सहारा,
राम किरपा ने दीपक को तारा,
कई भक्तों को तारा,
जपो जी राम जपो, सुबह और शाम जपो,
जपो जी राम जपो, सुबह और शाम जपो.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29360/title/japo-ji-ram-japo

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |